के नानन-कानन को उजाड़ना चाहते हैं जहां मानवता सर्वोपरि है ।

"पर दुखे उपकार करे बहुमन अभिमान
न माने रे ।
वैष्णव जन तो तेने कहिये पीर पराई
जाने रे ।।"

इस भावना को हम विश्वव्यापी, जो टूटे हुये लोग हैं, दबे हुये लोग हैं उनके उत्थान में लगे और सर्व धर्म समभाव जो हमारे देश का है जहां पूर्ण स्वतंत्रता है हर व्यक्ति को अपनी धार्मिक आस्था के अनुरूप आचरण करने की उस आस्था को विश्वव्यापी प्रतिष्ठा दिलाने का यत्न करेंगे इन शब्दों के साथ मैं इस बिल का समर्थन करता हूं ।

ALLOCATION OF TIME FOR DISPOSAL OF GOVERNMENT AND OTHER BUSINESS

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA) : I have to inform Members that the Business Advisory Committee at its meeting held today, the 18th August, 1988, allotted time for Government Legislative and other Business as follows :—

Business	Time Allotted
1. Consideration and passing of the Punjab Pre-emption (Chandigarh and Delhi Repeal) Bill, 1988.	1 hour
2. Discussion on the 35th and 36th Report of the Union Public Service Commission.	4 hours

I. STATUTORY RESOLUTION SEEKING DISAPPROVAL OF THE RELIGIOUS INSTITUTIONS (PREVENTION OF MISUSE) ORDINANCE, 1988 (NO. 3 OF 1988)—Contd.

II. RELIGIOUS INSTITUTIONS (PREVENTION OF MISUSE) BILL, 1988—Contd.

THE VICE-CHAIRMAN : (SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA) : Sardar Jagjit Singh Aurora.

SARDAR JAGJIT SINGH AURORA (Punjab) : Mr. Vice-Chairman, Sir, at the outset....

श्री राम अवधेश सिंह : श्रीमन्, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है । मेरा व्यवस्था का प्रश्न यह है कि आपकी कुर्सी से, अध्यक्ष की कुर्सी से, जो भी सूचनायें जारी की जाती हैं, क्या वे सब अंग्रेजी में ही तैयार होती हैं या नहीं ? सदन की भाषा हिन्दी है, इसलिये हिन्दी में भी सूचनायें दी जानी चाहिये । अभी तक यह देखा गया है कि अध्यक्ष की कुर्सी से जो भी सूचनायें दी जाती है वे हमेशा हिन्दी में ही दी जाती है । ऐसा क्यों होता है ?

डा. रत्नाकर पाण्डेय : मैं श्री राम अवधेश सिंह जी के प्रस्ताव का समर्थन करता हूं । इन सूचनाओं को केवल अंग्रेजी में ही नहीं, हिन्दी में भी होना चाहिये ।